www.rashtriyasahara.com
पैसा वसूल
राष्ट्रीय सहारा

मोदी सरकार पांच जुलाई को अपनी दूसरी पारी का पहला पूर्ण बजट पेश करेगी। प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की वजह से उम्मीद है कि सरकार अब आर्थिक सुधारों को तेज गति से आगे बढ़ाएगी। इसके लिए आगामी बजट में कृषि, इंफ्रा और आटो जैसे क्षेत्रों को विशेष प्रोत्साहन मिल सकता है। ऐसे में इन क्षेत्रों के चुनिंदा शेयरों में मौजूदा स्तर पर निवेश का बढ़िया मौका बन रहा है

शेयर बाजार

बजट में तलाशें मुनाफे की धार

राजीव सिंह
सीईओ, कार्वी स्टाक ब्रोकिंग

शेयर बाजार की सेहत आर्थिक गतिविधियों पर निर्भर करती है। सकारात्मक खबरों से बाजार में हरियाली का माहौल रहता है। केंद्र में स्थिर सरकार के गठन के बाद उम्मीद की जा रही है कि नई सरकार अब अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए और ठोस उपाय करेगी। नव नियुक्त वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी पांच जुलाई को वर्ष 2019-20 के लिए अपना पहला पूर्ण बजट पेश करेंगी। सरकार के रुख से साफ जाहिर हो रहा है कि इस दौरान वह फरवरी में पेश किए गए अंतरिम बजट में घोषित कई पहलों को मजबूत आकार देगी। कुछ क्षेत्रों को विशेष प्रोत्साहन मिलने के आसार हैं। ऐसे में बजट से पहले इन क्षेत्रों के चुनिंदा शेयरों में निवेश से अच्छी कमाई का मौका बन रहा है।

क्या है आधार

हाल ही जारी आंकड़ों में देश की आर्थिक वृद्धि दर पिछले पांच साल के निचले स्तर पर लुढ़क गई है। बेरोजगारी की दर पिछले 45 साल के उच्चतम स्तर पर दर्ज हुई है। इन आंकड़ों ने सरकार की चिंताएं बढ़ा दी हैं। आम चुनाव में जनता ने एनडीए को प्रचंड बहुमत दिया है। ऐसे में सरकार कोई बहाना भी नहीं बना सकती है। जाहिर है अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए उसे ठोस उपाय करने ही होंगे। इसके लिए आम बजट सबसे बड़ा प्लेटफार्म होता है। ऐसे में उम्मीद है कि बजट में औद्योगिक उत्पादन को बढ़ावा देने, वाहनों की बिक्री में तेजी लाने और प्रणाली में वित्तीय तरलता की कमी को दूर करने का प्रावधान किया जाएगा। खपत को बढ़ावा देने के लिए व्यक्तिगत करदाताओं और और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्योगों (एमएसएमई) को राहत दी जा सकती है। यह उपाय शेयर बाजार की सेहत के लिए उत्प्रेरक का काम करेंगे। जाहिर है इसका लाभ निवेशकों को भी मिलेगा।

कृषि क्षेत्र के विकास पर जोर

देश की करीब दो तिहाई आबादी की रोजी-रोटी खेतीबाड़ी पर निर्भर है। विकास के मामले में यह क्षेत्र काफी पिछड़ा हुआ है। इसी को देखते हुए सरकार ने पिछले कार्यकाल में वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने का लक्ष्य रखा था। इसे हासिल करने के लिए अब बड़े कदमों की घोषणा होने की संभावना है। अंतरिम बजट में किसानों के लिए निश्चित आय सहायता योजना का ऐलान किया गया था। आम बजट में इस योजना का विस्तार और फसल बीमा योजना में बदलाव की घोषणा की जा सकती है। खेती की पैदावार बढ़ाने के लिए पर्याप्त कर्ज मुहैया कराने और सिंचाई के संसाधन विकसित करने की जरूरत है। किसानों की आय में इजाफा करने के लिए शीत गृह श्रृंखला और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा मिल सकता है। यह उपाय किसान और खेती की तस्वीर बदल सकते हैं।

खेती की पैदावार बढ़ाने के लिए पर्याप्त कर्ज मुहैया कराने और सिंचाई के संसाधन विकसित करने की जरूरत है। किसानों की आय में इजाफा करने के लिए शीत गृह श्रृंखला और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा मिल सकता है

सरकार की इस पहल का कृषि क्षेत्र से जुड़ी यूपीएल, केआरबीएल, एलटी फूड्स, जैन इरिगेशन, एपेक्स फ्रोजेन और बायर क्राप साइंसेस जैसी कंपनियों को सबसे ज्यादा फायदा होगा। जाहिर है इन कंपनियों का कारोबार बढ़ेगा। ऐसे में इन शेयरों में मौजूदा स्तर पर निवेश से अच्छा मुनाफा मिल सकता है।

इंफ्रा सेक्टर में मौका

किसी भी देश का बुनियादी ढांचा उसकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है। इस क्षेत्र के विकास के बिना देश की तरक्की संभव नहीं है। ऐसे में नई सरकार बजट में भारतमाला, सागरमाला, सस्ते आवास, स्वच्छता और पानी की जरूरत जैसी पहलों पर ध्यान केंद्रित कर सकती है। इसी तरह रेलवे के लिए आवंटन बढ़ाकर इस क्षेत्र के आधुनिकीकरण पर जोर दिया जाएगा। इसके तहत विद्युतीकरण और यात्री सुरक्षा और संरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। घरेलू उद्योग को पटरी पर लाने के लिए कराधान में राहत मिलने के आसार हैं। इस स्थिति में देश के बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़ी अशोक बिल्डकान, केएनआर कंस्ट्रक्शन, एचजी इंफ्रा, दिलीप बिल्डकान, पीएनसी इंफ्रा जैसी कंपनियों को एनएचएआई की ओर से बड़ी परियोजनाएं मिलने के आसार हैं। आर्डर बुक मजबूत होने से इन कंपनियों के शेयरों में निवेश अच्छी कमाई की उम्मीद की जा सकती है।

और भी हैं विकल्प

मोदी सरकार की फ्लैगशिप योजना आयुष्मान भारत दूसरी पारी में भी फोकस में रहेगी। इस योजना को कारगर बनाने के लिए बजट में इसका आवंटन बढ़ सकता है। देश के अस्पतालों में बिस्तर की क्षमता बढ़ाने की सख्त जरूरत है। इसके लिए सरकार स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी प्रमुख कंपनियों के कर ढांचे में राहत दे सकती है। इस पहल से थायरोकेयर, डा. लालपैथलैब, अपोलो हास्पिटल और नारायणा हृदयालय जैसी कंपनियों के शेयर अच्छा मुंह मीठा कर सकते हैं। देश की सुरक्षा का मुद्दा मोदी सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में है। जाहिर है इस क्षेत्र के लिए पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर आवंटन किया जा सकता है। इसके जरिए विशेष टैंक, रक्षा निर्माण, बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, रक्षा विमान, अंतरिक्षयान, युद्धपोत, हथियार और गोला-बारूद पर खर्च बढ़ाया जाएगा। ऐसे में बीईएल और प्रीमियर एक्सप्लोसिव जैसी कंपनियों के शेयर में निवेश लाभकारी साबित हो सकता है। इसके अलावा देश का आटो सेक्टर अरसे से सुस्ती के दौर से गुजर रहा है। सरकार इस क्षेत्र को बड़े प्रोत्साहन दे सकती है। मौजूदा स्थिति में टाटा मोटर्स, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा, अशोक लेलैंड और आयशर मोटर्स निवेश के लिए अच्छे विकल्प साबित हो सकते हैं।

बहरहाल, किसी भी अच्छे कार्य के लिए कोई भी समय खराब नहीं होता। निवेश पर आकर्षक कमाई के लिए सबसे बड़ा कारक यह है कि आप कब और कहां पैसा लगा रहे हैं। मौजूदा परिदृश्य में बजट से पहले शेयर बाजार में निवेश का बढ़िया मौका बन रहा है। दो से तीन साल की अवधि में इस निवेश पर शानदार मुनाफे की उम्मीद कर सकते हैं। ■